GoYNG®

Cleansing Therapy

Full Body Detox

जानकारी पुस्तिका (Information Booklet)

खाओ पियो मस्त रहो ... क्लिंज करो स्वस्थ रहो

Cleansing Therapy

बढ़ते प्रदूषण, पैरासाइट और बिगड़ी लाइफ़ स्टाइल को तमाम बीमारियों का जड़ माना जाता है। इनके चलते शरीर में टॉक्सिन्स जमा होते रहते हैं, जिससे शरीर के अंग सही ढंग से काम नहीं कर पाते और हम बीमार हो जाते हैं। अगर इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकाल दिया जाए तो लगभग 90 प्रतिशत स्वास्थ्य समस्यायों का इलाज हो जाता है। **शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने की ये प्रक्रिया 'क्लीनजिंग थेरेपी' है।**

क्लीनजिंग थेरेपी में हमारे प्रतिदिन इस्तेमाल के चीजों के, कभी कभी सेवन से शरीर के अंदरूनी अंगों की सफ़ाई की जाती है। क्लीनजिंग थेरेपी में आप को किसी तरह के परहेज की ज़रूरत नहीं होती। आप सब कुछ खा पी सकते हैं और ज़िंदगी का भरपूर आनंद ले सकते हैं। बस समय-समय पर क्लिंज करते रहें। इससे आप बीमार होने से बचे रहेंगे।

डॉ पीयूष सक्सेना

क्लीनजिंग थेरेपी के प्रणेता हैं - डॉ पीयूष सक्सेना। इन्होंने क्लीनजिंग थेरेपी के नुस्ख़ों को पहले खुद पर आज़माया। इसके चमत्कारी परिणामों को देखने के बाद उनके परिवार के सदस्यों/मित्रों और परिचितों ने भी इसे आज़माया और इसका लाभ उठाया। डॉ सक्सेना के अनुसार, "मैं अकेला ही चला था जानिब –ए– मंज़िल लोग आगे जुड़ते गए और थेरेपी आगे बढ़ती गयी"। और आज इस थेरापी का लाभ देश-विदेश के लाखों लोग ले रहे हैं। भारत के अलग अलग शहरों में सैकड़ों 'वेल्दीलाइफ़ कैम्प' आयोजित हो रहे हैं जहां एक्स्पर्ट थेरापिस्ट की देख-रेख में लोग क्लीनजिंग थेरेपी कर रहे हैं।

प्रदूषण, पैरासाइट, प्रकृति के नियमों के ख़िलाफ़ चलना आदि कारणों से शरीर को जो नुक़सान पहुँचता है, उससे **शरीर के दो महत्वपूर्ण अंग किड्नी व लिवर** गम्भीर रूप से प्रभावित होते हैं। परंतु इन दोनो अंगों की खूबी यह है की ये तीन- चौथाई गड़बड़ी की दशा में भी अपना काम करते रहते हैं, इसलिए हमें इनके बीमार होने का पता ही नहीं चलता है।

GoYNG®

Cleansing Therapy

थेरापी के लिए ज़रूरी इंग्रीडीयंट्स

Extra Virgin Olive Oil

250 ml

Epsom Salt

20g X 4 Pouch

Corn Silk

50 gm

इसके अलावा फलों का जूस : संतरा मौसंबी आदि (250 मि.ली.) तथा पानी 800 मि.ली.
(एप्सम सॉल्ट को घोलने के लिए)

100% NATURAL

ज़ीरो साइड इफ़ेक्ट

Kidney Cleanse

किडनी व उसके कार्य

हमारे शरीर में दो किडनी होती हैं। इनका रंग लाल–भूरा और आकार हमारी मुट्ठी जितना होता है। वजन तक़रीबन १५० ग्राम होता है और ये कमर के थोड़ा नीचे, पीठ की ओर धंसी होती हैं।

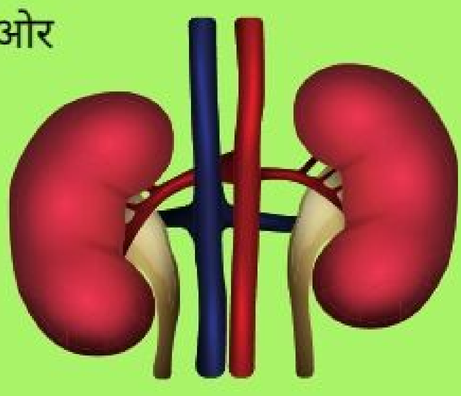

किड्नी के अहम काम हैं :

- मेटाबॉलिक वेस्ट और शरीर में जमा टॉक्सिन्स को यूरिन के साथ बाहर निकालना
- इलेक्ट्रलाइट्स का संतुलन बनाए रखना
- लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करना
- शरीर में एसिड-अल्कली व द्रव पदार्थों का संतुलन बनाना
- विटामिन 'डी' का अब्ज़ॉर्प्शन, ब्लड-प्रेशर पर नियंत्रण

किडनी की गड़बड़ी के लक्षण :

- किड्नी व यूरेटर में स्टोन का होना और वहाँ अक्सर दर्द का बना रहना
- अक्सर पीठ दर्द की शिकायत रहना
- यूरिन के साथ ब्लड आना, दर्द या जलन होना, उसकी फ्रीक्वेन्सी और मात्रा का बढ़ते घटते रहना
- ब्लड-प्रेशर का कम या ज़्यादा होना
- आँखों, टखनों आदि के पास पानी के जमाव के चलते सूजन होना और थकान महसूस करना, वह भी शाम के समय पर

किडनी क्लिंज क्यों?

- किडनी स्टोन से छुटकारा पाने व ब्लड में हीमोग्लोबिन लेवल को बढ़ाने के लिए
- ब्लड, बॉडी और किडनी से जमा टॉक्सिनस को शरीर से बाहर करने के लिए
- ब्लड-प्रेशर पर कंट्रोल और विटामिन 'डी' का अब्ज़ॉर्प्शन बढ़ाकर शरीर में कैल्सियम के मात्रा को बढ़ाने के लिए
- भरपूर नींद, चेहरे और शरीर को तरताज़ा रखने, एनर्जी लेवल को बढ़ाने और आखों के नीचे के डार्क सर्कल और पीठ के दर्द से छुटकारा पाने वग़ैरह के लिए

- स्त्रियों के पीरीयड्स और पीएमएस से जुड़े तमाम लक्षण जैसे कि सिर दर्द, पीठ दर्द, थकान, छातियों में सूजन व कड़ापन, क़ब्ज़ या डायरिया, क्रोध, चिड़चिड़ापन, घबराहट, डिप्रेशन, मूड स्विंग, हॉट फ़्लैशेस, सेक्स इच्छा में कमी जैसी समस्याओं के समाधान के लिए
- आपकी किडनी की फ़ंक्शनालिटी को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने के लिए। किडनी क्लिंज से कुछ खाद्य पदार्थों को संसाधित करने, पोषक तत्वों को अवशोषित करने और भोजन को ऊर्जा में परिवर्तित करने और थकान को रोकने के लिए।

किडनी क्लिंज कैसे करें ?

किडनी क्लिंज के लिए कॉर्न-हेयर (भुट्टे के बाल) का काढ़ा बनाकर पीना है.

भुट्टे के बाल, ताज़ा (500 gm) या सुखाए हुए (50 gm)

भुट्टे के बाल को धोने की ज़रूरत नहीं हैं। भुट्टे के बाल की जगह आप पार्सली की ताजी पत्तियों या तरबूज़ के बीज का भी इस्तेमाल कर सकते हैं

किडनी क्लिंज के लिए काढ़ा कैसे बनायें?

बर्तन में इतना पानी लें कि आप जिस औषधीय इंग्रेडीयेंट (भुट्टे की बाल, पार्सली या तरबूज़ के बीज) को उबालना चाहते हैं वो पानी में अच्छी तरह से डूब जाए। १० से २० मिनट तक उबालें और इसके बाद इसे छान लें । इस छाने हुए काढ़े को एक अलग बर्तन में रख लें । फिर औषधीय इंग्रेडीयेंट को दुबारा ताज़े पानी के साथ उबालें और इसे छानकर अलग रखे काढ़े में मिलाकर रख लें । ये पूरी प्रक्रिया एक या दो बार और करें, जब तक कि इंग्रीडीयंट का रंग़ हल्का ना हो जाए।

इसके बाद छाने गए काढ़े को कुछ समय के लिए स्थिर रख दें। इस बर्तन को हल्के से काढ़े को बिना हिलाए उठाए और काढ़े को धीरे धीरे एक दूसरे बर्तन में निथार लें । तह में जमें कचरे को फेंक दें । अब काढ़ा इस्तेमाल के लिए तैयार है

काढ़ें का इस्तेमाल कैसे करें?

काढ़ें को लगभग ४ गिलास की मात्रा में एक दिन में पी लें । खुले में रखने पर ये जल्दी ख़राब हो जाता है, इसलिए इसे रेफ़्रिजरेटर में रखना चाहिए। आप इसे ठंडा पी सकते है या गर्म करके भी पी सकते है।

Liver Cleanse

लिवर व गॉल ब्लैडर क्लिंज

लिवर हमारे शरीर का, त्वचा के बाद दूसरा सबसे बड़ा अंग है। नरम मुलायम लाल-भूरे टिश्यूज़ से बना लिवर एक रेशेदार कैप्सूलनुमा संरचना के भीतर सुरक्षित होता है। यह पेट के दाएँ ऊपरी हिस्से में स्थित होता है। एक वयस्क व्यक्ति में इसका वजन सामान्यतः दो किग्रा तक होता है। यह चौड़ाई में 21-22 सेमी, लम्बाई में 15-17 सेमी और गहराई में 10-12 सेमी के बीच होता है

लिवर हमारे शरीर का, त्वचा के बाद दूसरा सबसे बड़ा अंग है। नरम मुलायम लाल-भूरे टिश्यूज़ से बना लिवर एक रेशेदार कैप्सूलनुमा संरचना के भीतर सुरक्षित होता है। यह पेट के दाएँ ऊपरी हिस्से में स्थित होता है। एक वयस्क व्यक्ति में इसका वजन सामान्यतः दो किग्रा तक होता है। यह चौड़ाई में 21-22 सेमी, लम्बाई में 15-17 सेमी और गहराई में 10-12 सेमी के बीच होता है

लिवर क्लिंज का चमत्कार

LDLयानी हार्ट के लिए ख़राब कोलेस्ट्रोल से छुटकारा

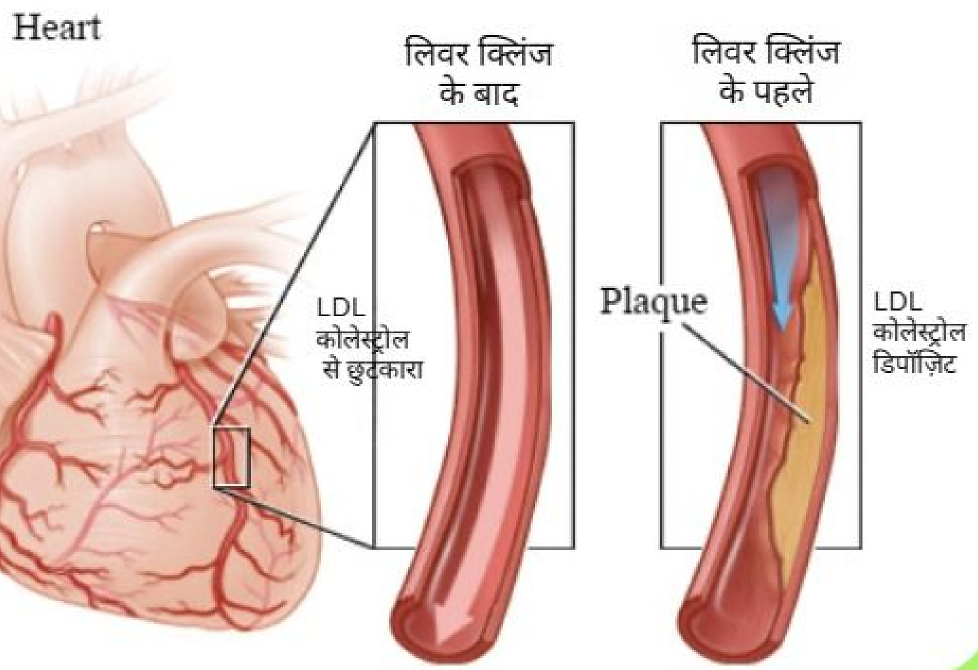

** लिवर क्लिंज के बाद किसी भी व्यक्ति को कम से कम छह महीने तक हार्ट अटैक नहीं हो सकता है। बेरोक- टोक खान- पान से भी बैड-कोलेस्ट्रोल (LDL) के कोरॉनेरी आर्टरी में जमा होने, उसमें रुकावट पैदा करने में कम से कम इतना समय तो लगता ही है।

लिवर/गॉल ब्लैडर की गड़बड़ी के लक्षण :

- गॉल ब्लैडर में स्टोन का बनना और उसके चलते पेट में गैस का बनना आम है।
- लिवर की क्लॉगिंग और उसके चलते अस्थमा व तमाम तरह की ऐलर्जी की शिकायतें, साथ ही सीने के निचले हिस्से में दर्द होता है।
- गॉल ब्लैडर में गॉलस्टोन्स की मौजूदगी के कारण अवरोध पैदा हो जाता है। लिवर में बाइल तो बनता रहता है, लेकिन रुकावटों को चलते गॉल-ब्लैडर तक नहीं पहुँच पाता, पाचन ख़राब हो जाता है और लिवर को ही नुक़सान पहुँचता है

लिवर क्लिंज क्यों?

बिना सर्जरी के गॉल ब्लैडर से पथरी निकालें। सर्जरी से गॉल ब्लैडर निकालने पर आजीवन बदहजमी की शिकायत हो सकती है। लिवर क्लिंज से गॉल ब्लैडर की स्टोनस निकल जाते हैं और गॉल ब्लैडर की सर्जरी की ज़रूरत नहीं पड़ती

एलर्जी से छुटकारा मिलकर लिवर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है। लिवर को पित्त निर्माण व खाद्य पदार्थों के संश्लेषण में आसानी होती है

पका खाना खाने, खान–पान की ग़लत आदतों व वातावरण में मौजूद प्रदूषणकारी तत्वों इत्यादि के कारण लिवर की वाहिकाओं में टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं। क्लिंजिंग से इन ज़हरीले पदार्थों को बाहर निकाला जाता है

लिवर क्लिंज से आप अपनी पाँच साल पहले जैसी एनर्जी को फिर वापस पा सकते हैं

ब्लड की टेंडेन्सी है की वह पूरे शरीर में कलेस्टरॉल का मात्रा बराबर बनाए रखते है। लिवर क्लिंज के बाद लिवर से ख़राब कलेस्टरॉल बाहर निकल जाता है। ब्लड कोरॉनेरी आर्टरी में जमा कलेस्टरॉल को खींचकर शरीर के अन्य हिस्सों में पहुँचा देता है। **आर्टरी साफ़ हो जाती है और हार्ट अटैक का ख़तरा दूर हो जाता है**

लिवर क्लिंज से चेहरे के दाग धब्बे व मुहाँसे, एलर्जी, चिडचिडापन, मोटापा, ब्लड शुगर, थायरॉयड की गड़बड़ी, होर्मोनल इमबैलेंस, बोन-डेन्सिटी लॉस, डिप्रेशन, छातियों को कठोर होने के (स्त्रियों में), त्वचा का रूखापन, फेसियल हेयर, थकान, सिस्ट, हेयर लॉस, सिर दर्द, हॉट/कोल्ड फ़्लैशेस, अनिद्रा, माहवारी की गड़बड़ी, पाव की पशियों में पीड़ा, सेक्स इच्छा में कमी, घबराहट, सायटीका, आर्थराइटिस, पांव – टँखनों के सूजन, फ़्राईब्रोईडस व दूसरी गायनेक समस्याओं में फ़ायदा पहुँचता है

लिवर क्लिंज कैसे करें ?

2 बजे दोपहर	दोपहर २ बजे के बाद कुछ ना खायें। एप्सम सॉल्ट को पानी में घोलकर 200–200 मि.ली. के चार खुराक तैयार कर लें और उन्हें फ़्रिज में रख लें
शाम 6 बजे पहली खुराक	फ़्रिज में रखे एप्सम सॉल्ट मिश्रण की एक खुराक पी लें । इसके बाद आप कुछ घूँट पानी पी सकते हैं। आवश्यकता है तो बाथरूम हो आएँ
रात 8 बजे दूसरी खुराक	एप्सम सॉल्ट की एक और खुराक लें। हालाँकि आप ने दोपहर दो बजे के बाद कुछ भी खाया-पिया नहीं है, फिर भी आपको भूख नहीं लगी होगी
रात 9: 45 बजे	एक कप में मापकर लग भाग 175 मी ली की मात्रा में एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑइल लें। संतरे मौसंबी के लगभग 175 मी ली जूस को एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑइल में अच्छी तरह से मिलाएँ
रात 10 बजे : तीसरी खुराक	अब औषधीय मिश्रण (जूस और ओलिव ऑइल) को अच्छी तरह से हिलाकर पी लें। औषधि सेवन के तत्काल बाद आधे घंटे दाएँ करवट लेटें। आधे घंटे बाद सीधे भी हो सकते हैं। हमारा लिवर शरीर के दायें हिस्से में ही होता है और इस ओर लेटने से पित्त नलिकाओं पर अधिक दबाव बनकर पथरियों के निकलने में आसानी होती है
अगली सुबह 6 बजे चौथी खुराक	सुबह उठने पर एप्सम सॉल्ट की तीसरी खुराक लें । बिना दर्द के किसी भी वक्त डायरिया की शुरूआत हो सकती है
सुबह 8 बजे पाँचवी खुराक	तीसरी खुराक की तरह 75 मी ली एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑइल और उतनी ही मात्रा में फलों के रस का सेवन करें । फिर पलंक पर जाकर पहले की तरह लेट जायें ।
सुबह 10 बजे छटी खुराक	एप्सम सॉल्ट की घोल की चौथी व आख़िरी खुराक का सेवन करें। ये आपके शरीर से निकलने वाली पथरियों की संख्या को बढ़ा देगा। स्टूल के साथ हरे रंग़ के मुलायम स्टोन्स निकलते है और इन्हें आप खुद देख सकते हैं। ये एलडीएल कोलेस्ट्रोल के बने होते हैं
सुबह 11 बजे लिवर क्लिंज प्रक्रिया समाप्त	अब आप खा पी सकते हैं। लेकिन खाना हल्का ही हो तो बेहतर होगा। एप्सम-सॉल्ट का सेवन के कारण पाचन तंत्र टेम्परेरी तौर पर थोड़ा कमजोर हो जाता है, ऐसे में शूरुआत फलों के जूस से करें। आधा घंटे बाद आप सामान्य रूप से भोजन ग्रहण कर सकते हैं।

लिवर क्लिंज के लिए ज़रूरी इंग्रेडींट्स :

- एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑइल (250 मि.ली.)
- एप्सम सॉल्ट (20- 20 ग्राम के चार पैकेट)
- फलों का जूस : संतरा – मौसंबी आदि (250 मि.ली.)
  (टेट्रा-पैक जूस भी लिये ज़ा सकते हैं)
- पानी 800 मि.ली. (एप्सम सॉल्ट को घोलने के लिए)

लिवर क्लिंज के दौरान डायरिया होता है, किसी – किसी का जी मिचलाता है और उल्टी भी आ सकती है, इससे घबराएँ नहीं, यह क्लिंज सफल होने का संकेत है।

लिवर क्लिंज के बाद : गॉल ब्लैडर के स्टोन बिना चीर–फाड़ के निकल जाते हैं। हरे रंग़ का डायरिया होता है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रोल होता है। अगले छह महीने तक हार्ट अटैक शिकायत नहीं हो सकती, ऐलर्जी से छुटकारा मिल जाता है। शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। तमाम बीमारियों में अभूतपूर्व लाभ होता है।

ध्यान दें : लिवर क्लिंज शुरूवात में लगभग दो–दो सप्ताह के अंतर पर करें, जब तक कि सभी स्टोन निकाल ना जायें। इसके बाद टॉक्सिंज़ की सफ़ाई के लिए 6 महीने के अंतराल में लिवर क्लिंज कर लेना काफ़ी होता है।

कभी भी थेरापी-इंग्रीडीयंट्स के क्वालिटी के मामले में समझौता मत कीजिए।

हमेशा प्रिमीयम क्वालिटी का इस्तेमाल करे। आपका ओलिव ऑइल प्रीमीयम एक्स्ट्रा वर्जिन होना चाहिए। री-पैक किये ओलिव ऑइल का प्रयोग बिल्कुल ना करें। आख़िर आप इन्हें कंज्यूम करने वाले हैं और इस थेरापी के लिए आपने अपना क़ीमती समय निकाला है – इसलिए सिर्फ़ प्रिमीयम क्वालिटी इंग्रीडीयंट्स का इस्तेमाल करें।

- डॉ पीयूष सक्सेना
(प्रणेता - क्लिंजिंग थेरापी)

किसके लिए है ज़रूरी ये क्लिनजिंग थेरापी?

जिसे हार्ट ब्लॉकेज है या सम्भावित है

हाइ-कोलेस्ट्रोल, बिगड़ा हुआ लिपिड प्रोफ़ाइल, फ़ैमिली हिस्ट्री, तनाव, सेडेंट्री लाइफ़ आदि

जिसे किडनी स्टोन की समस्या है

रेनल कैलक़्युलाइ, नेफ़्रोलेथायसिस, पथरी का दर्द, लोवर बैक पेन आदि

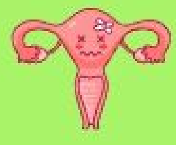

महिलायें जिन्हें गायनेक प्रॉब्लम है

पीरीयड्स और पीएमएस से जुड़े प्रॉब्लम्स, फ़्राईब्रोईडस, सिस्ट, चिड़चिड़ापन, मूड स्विंग, पीठ दर्द, त्वचा का रूखापन, फेसियल हेयर, थकान, हेयर लॉस, छातियों में सूजन व कड़ापन, डिप्रेशन, हॉट फ़्लैशेस, सेक्स इच्छा में कमी आदि

पुरुष जिन्हें अपना सेक्स्युअल हेल्थ सुधारना है

प्रॉस्टेट एनलार्जमेंट, मेल री-प्रोडक्टिव सिस्टम से जुड़ी प्रॉब्लम्स, यूरिन के साथ ब्लड आना, दर्द या जलन होना, उसकी फ़्रीक्वेन्सी और मात्रा का बढ़ते घटते रहना, स्टैमिना एनर्जी में कमी, लिबीडो में कमी आदि

जिसे हॉर्मोन इम्बैलेंस है

डाइबीटीज़, थाइरॉयड की समस्या (हाइपो या हाइपर), एडर्नल इन्सफ़िशियेंसी, पीसीओडी, हाइपोगॉनाडिस्म आदि

जिसके त्वचा में एजिंग या ब्युटी इश्यु है

एज-स्पॉट्स, पिग्मेंटेशन, रिंकल्स, फ़ाइन-लाइन्स, त्वचा का रूखापन, बलेमिशेज, स्किन में ग्लो की कमी आदि

Whom this 'Cleansing Therapy' is for?

जिसे अक्सर दर्द रहता है

ज्वाइंट-पेन, अर्थराइटिस, सायटिका, पेशियों का दर्द, पीठ का दर्द आदि

जिसे एसिडिटी रहता है

पाचन व पित्त सम्बंधित गड़बड़ियाँ, एसिडिटी, गैस, बलोटिंग, क़ब्ज़ आदि

जिसे लो-स्टैमिना या थकान होती है

शारीरिक कमजोरी, थकान, सुस्ती, स्लगिश या लेथार्जिक महसूस करना, लो-स्टैमिना, ऊर्जावान नहीं महसूस करना, आदि

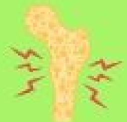

जिसे कैल्सियम की कमी है

विटामिन 'डी' का अब्ज़ॉर्प्शन इश्यु, मांसपेशियों में दर्द, मशल स्पाज्म, क्रैंप्स, ब्रिटल नाख़ुन, नंबनेस व टिंगलिंग आदि

जिसे गॉल ब्लैडर स्टोन है

गॉल स्टोन, पेट में गैस का बनना, पित्त की समस्या, ख़राब पाचन

जिसे तोंद या बेली फ़ैट है

बढ़ी हुई तोंद, ओवर-वेट या ओबीज, वायसेरल फ़ैट, स्लो मेटाबॉलिज्म

दम्पति जिन्हें इनफर्टिलिटी है

बाँझपन, हॉर्मोन संतुलन की समस्या, एंडोमेट्रियोसिस या गर्भाशय में होने वाली अन्य समस्याएँ, फैलोपियन ट्यूब्स में रोग आदि

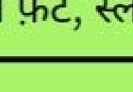

जो निरोगी व दीर्घायु होना चाहते हैं

इम्यूनिटी बूस्टिंग के लिए, पाचन व मेटबोलिज्म को बेहतर और एजिंग के प्रोसेस को स्लो करने के लिए

वेल्दीलाइफ़ कैम्प

एक्स्पर्ट थेरापिस्ट की देख-रेख में बड़े वाज़िब क़ीमत पर क्लिनजिंग थेरापी करने का सबसे बेहतरीन तरीक़ा है 'वेल्दीलाइफ़ कैम्प' – जहाँ आपको मिलता है ... आपके शरीर को क्लिंज व डिटॉक्स करने का 360° अप्रोच ताकि आप पा सकें कम्प्लीट माइंड और बॉडी डीटॉक्स - वो भी बिल्कुल नैचुरल तरीक़े से व बिना किसी साइड-इफ़ेक्ट के।

वेल्दीलाइफ़ कैम्प में आपको मिलता है - चेक-अप, कॉन्सल्टेशन, थेरापी, वेलनेस सेशन, हेल्थ-स्कोर, हेल्थ-गोल और इतना ही नहीं ... आपके उस हेल्थ गोल के आधार पर पर्सनल हेल्थ ब्लू-प्रिंट। यक़ीन मानिए यह कैम्प आपको दवा-मुक्त और निरोगी ज़िंदगी की तरफ़ ले जाता है। वेल्दीलाइफ़ का यह कैम्प डॉ. पीयूष सक्सेना के मार्गदर्शन में और प्रीमियम क्वालिटी के थेरापी इंग्रीडीयंट्स के साथ किया जाता है।

Reboot Your Life with WellthyLife Camp

http://rebootyourlife.wellthylife.in

क्लिंजिंग थेरापी के प्रणेता
डॉ पीयूष सक्सेना
के मार्गदर्शन में

गोयंग - ऑथेंटिक हेल्थ सप्लेमेंट्स

GoYNG एक प्योर व प्रामाणिक सप्लीमेंट ब्रांड है। इसमें वैज्ञानिकों और फॉर्मूलेशन विशेषज्ञों से बनाए गए वर्ल्ड क्लास सप्लेमेंट्स की एक विस्तृत श्रृंखला है। GoYNG प्रॉडक्ट्स बिना किसी गिमिक के क्लीन व प्योर इंग्रीडीयंट्स का उपयोग करके बनाए जाते हैं। कोई आर्टिफ़िशियल रंग नहीं, कोई हानिकारक केमिकल या प्रिज़र्वटिव नहीं, कोई शुगर नहीं, कोई आर्टिफ़िशियल स्वीटनर नहीं, ग्लूटेन-फ्री, नॉन-जीएमओ, पूरी तरह से प्राकृतिक और 100% शाकाहारी और प्लांट-बेस्ड सप्लेमेंट्स - गर्व से भारत में निर्मित।

GoYNG को 'बेस्ट इमरजिंग सप्पलेमेंट ब्रांड' के रूप में सम्मानित किया गया है। GoYNG को 'एशिया के लिए वर्ष 2021 का प्रतिष्ठित ब्रांड' के रूप में भी सम्मानित किया गया है। यह ब्रांड अमेज़ॉन, फ्लिपकार्ट, टाटा वनएमजी, जीयो मार्ट आदि पर बेस्ट सेलर है।

> गोयंग का ब्रांड फ़िलॉस्फी है – ऑथेंटिक प्रॉडक्ट्स @ ऑनेस्ट प्राइस ... और हम इस पर हमेशा कायम रहते हैं। गोयंग में हम आपके लिए लाते हैं... सारे रीसर्च-बेस्ड प्रॉडक्ट्स जो बिना किसी गिमिक के क्लीन व प्योर इंग्रीडीयंट्स से बनाए जाते हैं।
>
> **- डॉ राजेश सिंह**
> फ़ाउंडर – वेल्दीलाइफ़

वेल्दीलाइफ़ रीवार्ड प्रोग्राम

वेल्दीलाइफ़ रीवार्ड एक अनोखा रीवार्ड-प्रोग्राम है जिसमें आपको अपने खुद के स्वास्थ्य का ख़्याल रखने के लिए 'रीवार्ड प्वाइंट्स' मिलता है। वेलनेस को दूसरों तक फैलाने से भी आपको 'रीवार्ड प्वाइंट्स' मिलते हैं। आप अपने 'रीवार्ड प्वाइंट्स' को रेडीम का सकते हैं या इसे अपने बैंक में इनकैश कर सकते हैं। एक रीवार्ड-प्वाइंट एक रुपए के बराबर होता है। रीवार्ड पाने के साथ साथ आप एक वेल्दीयर कम्यूनिटी के निर्माण में भी योगदान देते हैं।

भारत के इस सर्वप्रथम वेलनेस रीवार्ड प्रोग्राम में साइन-अप बिल्कुल मुफ़्त है। साथ ही आपको साइन-अप करने पर फ्री बोनस प्वाइंट्स मिलते हैं। साइन-अप करना क्विक और बेहद आसान है। साइनअप केवल इन्विटेशन के द्वारा है। तो, आपको बस एक इन्वाइट-कोड की आवश्यकता है और आप उस कोड का उपयोग करके साइन-अप कर सकते हैं।

India's 1st Wellness Reward Program

यहाँ आपको डॉक्टरों, वेलनेस एक्स्पर्ट, पोषण विशेषज्ञों और थेरापिस्ट से मार्गदर्शन मिलता है ताकि आप अपने वांछित स्वास्थ्य लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। यहाँ आपको अपने सवालों के जवाब पाने और आपको ट्रैक पर रखने के लिए वेलनेस सेशंस, हेल्थ फ़ोरम, अकाउंटेबिलिटी ग्रुप आदि का ऐक्सेस मिलता है। वेल्दीलाइफ़ रीवार्ड **शॉप > अर्न > रिडीम > एनकैश** मॉडल पर काम करता है। यह आपको हर खरीदारी पर शानदार डिस्काउंट देता है और रिवॉर्ड प्वाइंट्स भी।

Instant sign-up at www.wellthylife.in

GoYNG®

गोयंग ब्रांड में आपको सबसे प्रीमीयम और ऑथेंटिक क्लिनजिंग किट्स बिल्कुल वाज़िब मूल्य पर मिलते हैं। डॉ पीयूष सक्सेना हमेशा इस बात पर ज़ोर देते हैं कि आपके थेरापी इंग्रीडीयंट्स बिल्कुल प्योर, क्लीन और उच्च गुणवत्ता वाले होने चाहिए।

इसीलिए गोयंग आपके लिए लाए हैं दुनिया का सबसे बेहतरीन ऑलिव ऑइल – 'ओलिवको' ... जो प्रीमीयम है, ऑर्गैनिक है, एक्स्ट्रा वर्जिन है और डायरेक्ट ओलिव के फार्म में ही वर्ल्ड-क्लास क्वालिटी पैरामीटर के साथ पैक किया जाता है। और इसीलिए इसे गुणवत्ता के दर्जनों इंटरनेशनल अवार्डस प्राप्त हैं – जिसमें इंटर्नैशनल EVO भी शामिल है।

गोयंग का कॉर्न-सिल्क या भुट्टे का बाल भी क्लीन, क्लीयर और नैचुरली सुखाया हुआ होता है ताकि आप इस पर आँख बंद करके भरोसा कर सकें। गोयंग में थेरापी इंग्रीडीयंट्स अलग-अलग किट के रूप में भी उपलब्ध हैं। गोयंग के ये प्रॉडक्ट्स सभी बड़े इ-कॉमर्स प्लैट्फ़ॉर्म पर उपलब्ध हैं।

लेकिन यदि आप इन्हें **www.wellthylife.in** पर ख़रीदते हैं तो आपको स्पेशल डिस्काउंट के साथ साथ ढ़ेर सारा रीवार्ड प्वाइंट्स भी मिलता है जिसे आप रीडीम या इनकैश कर सकते हैं।

ज़्यादा जानकारी, थेरापी सपोर्ट, थेरापी किट या इन्वाइट कोड के लिए सम्पर्क करें

DR. MURTUZA ALAM KHAN
Certified Cleansing Therapist
MUMBAI , MAHARASHTRA
Cleansing Therapist & Wellness Advisor
Phone / Whatsapp : **8169048202 / 9987639055**
Email : **mehekhealthcare.co.in@gmail.com**
WRL : https://camp.wellthylife.in/tahreek-e-inshaf.welfare.association

Disclaimer : Information given in this booklet is not the replacement of your medicine.

क्लिंजिंग थेरापी से

90% बीमारियों का 100% इलाज़